शुक्रवार

20 मार्च 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 55
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

लंबे समय से खाली मंत्री पदों को प्रदेश सरकार ने भरा चुनावी साल में

प्रदेश को सरकार का 'चुनावी झुनझुना'

●धामी मंत्रिमंडल में किए पांच नए मंत्री शामिल ●भाजपा के विधायकों की मनोकामना हुई पूर्ण ●राज्यपाल ने दिलाई नए मंत्रियों को शपथ

नव-नियुक्त मंत्रियों के नाम एवं विभाग

मदन कौशिक: वित्त, शहरी विकास, आवास, विधायी एवं संसदीय कार्य (प्रेमचंद अग्रवाल वाले विभाग)।

खजान दास: समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, छात्र कल्याण और निर्वाचन।

भरत सिंह चौधरी: परिवहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), और खादी एवं ग्रामोद्योग।

प्रदीप बत्रा: पेयजल, जनगणना, और पुनर्गठन विभाग।

राम सिंह कैड़ा: आयुष एवं आयुष शिक्षा, ऊर्जा, और वैकल्पिक ऊर्जा।

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ने विधायकों की मनोकामना पूर्ण कर दी है। सूबे में मंत्रियों के पद लंबे समय से रिक्त थे और भाजपा सरकार ने चुनावी साल में इन्हें भरा। राजनीति के विशेषज्ञों की माने तो चुनावी साल में भाजपा सरकार का यह प्रदेश के लिए 'चुनावी झुनझुना' है।

बता दें कि लंबे समय से प्रदेश में विकास की गति अवरूद्ध थी और मंत्री पद खाली थे, लेकिन सरकार ने इन्हें नहीं दिया। अब सरकार का मात्र एक साल बचा है और भाजपा सरकार ने पांच नए मंत्री बनाकर सूबे की जनता के साथ मजाक किया है। क्योंकि इस एक साल में तीन महिने पहले आचार संहिता लग जायेगी और तीन महिने कार्यकाल को समझने में लग जायेगा। इन पांच मंत्री पदों को भरने से प्रदेश को किसी प्रकार का कोई लाभ नहीं होगा। बल्कि यह एक झुनझुना है। जो सरकार ने प्रदेश की जनता को दिया है। क्योंकि जब तक नए मंत्री विभागों के काम-काज को समझेंगे तब तक चुनाव का समय हो जाएगा। राजनीति के विशेषज्ञों की माने तो इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार का यह चुनावी एजेंडा है।

सरकार और संगठन में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है इसकी चर्चा प्रदेश में लंबे समय से होती आ रही है। कई बार इसके परिणाम सड़क से लेकर सदन तक दिखे हैं जब सरकार के मंत्री और कार्यकर्ता आपस में उलझे और अपनी बयानबाजी को लेकर चर्चा में रहे है। इससे सगठन के साथ ही सरकार की छवि को काफी हानि हो रही है। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है, लेकिन ऐन चुनाव से पहले विधायकों को सरकार में शामिल कर मंत्री बनाने से स्पष्ट हो गया है।

बता दें कि उत्तराखंड राज्य में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले धामी मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है। राज्य सरकार ने मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए क्षेत्रीय, जातीय और महिला-युवा संतुलन साधने की कोशिश की है। साल 2022 में सरकार के गठन के बाद से ही मंत्रिमंडल के कईई पद खाली चल रहे थे, जिसके बाद से ही समय-समय पर मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट उठती रही है। ऐसे में वर्तमान सरकार के कार्यकाल को चार साल पूरा होने से ठीक तीन दिन पहले मंत्रिमंडल का विस्तार कर दिया गया है।

साल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत 9 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी। ऐसे में सरकार के गठन के साथ ही तीन मंत्रिमंडल के पद खाली चल रहे थे, लेकिन कुछ समय बाद ही यानी 26 अप्रैल 2023 को परिवहन मंत्री चंदन रामदास के निधन के बाद एक और मंत्रिमंडल का पद खाली हो गया। इसके साथ ही 16 मार्च 2025 में वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की ओर से दिए गए विवादित बयान के बाद उन्हें भी अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। ऐसे में धामी मंत्रिमंडल में पांच मंत्री के पद खाली चल रहे थे।

अब मंत्रियों की संख्या हुई 12 : लोक भवन में नव नियुक्त कैबिनेट मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राज्यपाल गुरमीत सिंह ने पांच विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। ऐसे में अब धामी मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

इन विधायकों को मिली जगह:

रुद्रप्रयाग विधानसभा सीट से विधायक भरत चौधरी। रुड़की विधानसभा सीट से विधायक प्रदीप बत्रा । हरिद्वार विधानसभा सीट से विधायक मदन कौशिक। राजपुर विधानसभा सीट से विधायक खजान दास । भीमताल विधानसभा सीट से विधायक राम सिंह कैड़ा।

दायित्व भी जल्द बंटेंगे: सरकार ने

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

चुनावी लाभ वाला मंत्रिमंडल विस्तार

उत्तराखंड सरकार द्वारा आखिरकार मंत्रिमंडल विस्तार की औपचारिकता को पूरा कर ही लिया गया। हम इसे औपचारिकता इसलिए कह रहे हैं कि सरकार ने अब जिन पांच मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया है उन्हें सिर्फ 8-9 माह ही बामुश्किल कुछ काम करने का मौका मिल सकेगा क्योंकि सरकार के कार्यकाल को पूरा होने में ही मात्र एक साल का समय शेष बचा है। सही मायने में इन मंत्रियों को महीनों का समय तो किसी विभाग के काम को समझने के लिए चाहिए होंगे जबकि चुनाव से तीन माह पूर्व चुनावी प्रक्रिया शुरू होने के बाद सरकारी कामकाज पर वैसे भी रोक लग जाती है। खैर सरकार द्वारा जिन पांच विधायकों को मंत्री पद दिए गए हैं उनके पास इतना समय तो है ही कि वह अपने-अपने चुनाव क्षेत्र में जाकर लोगों को अपने बढ़ते हुए राजनीतिक रुतबे की जानकारी दे सकेंगे और इस आशा के साथ काम करेंगे कि उन्हें 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में टिकट भी मिल सकेगा और जनता ने उन पर भरोसा जताया तो वह अगली बार सरकार में मंत्री भी बन सकेंगे। जिन विधायकों को अब मंत्री बनाया गया है उनमें हरिद्वार से मदन कौशिक, रुड़की से प्रदीप बत्रा, राजपुर से खजान दास, रुद्रप्रयाग से भारत चौधरी तथा भीमताल से राम सिंह कैड़ा शामिल है। इस इस मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही अब धामी सरकार का मंत्रिमंडल भी पूरा हो चुका है। यह अत्यंत ही हैरान करने वाली बात है कि 2022 में जब धामी को दोबारा से मुख्यमंत्री बनाया गया था तब उन्होंने अपने सहित कुल 9 मंत्रियों के साथ शपथ ली थी। 12 सदस्यीय राज्य के मंत्रिमंडल में तीन मंत्री पद पूरे 4 साल तक खाली पड़े रहे लेकिन सरकार इन पदों को नहीं भर पाई तथा मार्च 2023 में चंदन रामदास जो परिवहन मंत्री के पद पर आसीन थे उनका निधन हो गया जिससे इन खाली पदों की संख्या चार हो गई उनके निधन को भी 3 साल हो चुके हैं वहीं मार्च 2025 में अपने विवादित बयानों के चलते संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को भी अपने पद से हटा दिया गया। 12 सदस्यीय मंत्रिमंडल होने के बावजूद भी पुष्कर सिंह धामी तीन-चार साल लगभग आधे मंत्रिमंडल के साथ ही अपनी सरकार को चलाते रहे तथा सारा राजकाज सुचारू रूप से चलते रहना यह एक चमत्कार से कम नहीं है। इतने बोझ अकेले ढोने वाले सीएम धामी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने कई क्षेत्रों में सराहनीय कार्य और फैसला किये, जिन्हें वह अक्सर अपनी जनसभाओं में गिनाते रहते हैं अतिक्रमणकारियों से 12 हजार हैक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराने का काम एक ऐसा ही उदाहरण है। हो सकता है अगर उनको पूरे मंत्रिमंडल के साथ काम करने का मौका मिलता तो और तेजी से राज्य का विकास होता। सही मायने में अब इस अत्यंत ही देरी से किए गए मंत्रिमंडल विस्तार का जनता को कोई फायदा नहीं होगा? यह मंत्रिमंडल विस्तार सिर्फ चुनावी फायदे के लिए किया गया विस्तार ही है। जो भी विधायक निष्क्रिय पड़े थे तथा उपेक्षित महसूस कर रहे थे उनमें उत्साह जरूर फूंक सकेगा। चर्चा तो दायित्वों के बंटवारे की भी हो रही है उम्मीद है कि दो-तीन दर्जन कार्यकर्ताओं को भी जल्द ही उत्तरादायित्व भी मिल ही जाएंगे जिससे संगठन की सक्रियता को बढ़ाने में मदद मिल सकेगी।

फूलदेई 2026 (षष्टम दिवस): परंपरा और संस्कृति के संरक्षण का संकल्प

देहरादून (हप्र)। चैत्र मास की संक्रांति से आरंभ होकर आठ दिनों तक चलने वाले इस पावन उत्सव के षष्टम दिवस पर फूलदेई कार्यक्रम का शुभारंभ श्री काशी विश्वनाथ गुरुकुलम के विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्री काशी विश्वनाथ जी की विशेष पूजा-अर्चना से हुआ। इसके उपरांत सभी बाल सेवक उत्तरकाशी स्थित माँ उज्वला देवी,महिषासुर मर्दिनी मंदिर गए जहाँ परंपरानुसार फ्योंली सहित अन्य स्थानीय पुष्पों को देहरियों में अर्पित कर सकल मनोरथ हेतु विशेष प्रार्थना की ।

बाल सेवकों ने श्रीमती मुक्ता मिश्र, अपर जिला अधिकारी के आवास पर जाकर श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर श्रीमती मुक्ता मिश्र (अपर जिला अधिकारी) ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन का एकमात्र उत्तम सहारा है और शिक्षा के साथ-साथ हमें अपने धर्म संस्कृति एवं परंपराओं का पालन करना है जो हमारे पूर्वजों द्वारा हमें दी गई है।

कार्यक्रम में अनन्या बिष्ट, वैष्णवी रावत, आस्था रावत, दिव्यांशी कुड़ियाल, सत्यम राणा, आरुष डंगवाल, कृष्णा रावत, अंकित, अर्पित, सिया नौटियाल दिया नौटियाल, रानी उनियाल ,वंशिका राणा नंदिनी पायल, आयुष राणा ,सौरव बिष्ट सुजल रावत ,सानिया, मनदीप रावत, पारस कोटनाला ,सुरेंद्र गंगाड़ी आदि बाल फुल्यार उपस्थित रहे ।

दूसरे नवरात्री: माँ आदिशक्ति के ब्रह्मचारिणी स्वरुप को नमन

संवाददाता

देहरादून। माँ ब्रह्मचारिणी के रूप मे माँ कालिका जी का अभिषेक प्रात: पांच बजे प्रारंभ हुआ जिसमें दूध, दही, घी, शक्कर, इत्यादि जल से मां को पंचामृत बनाकर स्नान कराया गया।

आज यहां माँ ब्रह्मचारिणी के रूप मे माँ कालिका जी का अभिषेक प्रात: पांच बजे प्रारंभ हुआ जिसमें दूध, दही, घी, शक्कर, इत्यादि जल से मां को पंचामृत बनाकर स्नान कराया गया व नवीन गुलाबी रंग के वस्त्र धारण कराए गए. मंदिर के मुख्य पुजारी चन्दर प्रकाश ममगई द्वारा मंदिर में सभी देवी देवताओं को आमंत्रित कर उनका पूजन किया गया जिसमें सर्व प्रथम गणेश पूजन, माँ कालिका जी का पूजन, घंटी पूजन, शंख पूजन, सूर्य पूजन, गणेश पूजन लक्ष्मी पूजन, व नवग्रह पूजन अनादि देवताओं का पूजन पुजारी द्वारा किया गया। तत्पश्चात मां दुर्गा की ढोल बाजे के साथ अपार भक्तों द्वारा मां की सामूहिक आरती हुई. मंदिर समिति द्वारा आमंत्रित किए गए उत्तराखंड से विद्वान 108ब्राह्मणों को तिलक किया गया तत्पश्चात सभी ब्राह्मणों ने मां दुर्गा सप्तशती का पाठ व माँ दुर्गा का जाप प्रारंभ किया। 54 ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तशती का पाठ व जाप प्रात: एवं सायकाल दोनों समय चलता रहेगा। मंदिर के पुजारी कविन्दर सेमवाल द्वारा मां कालिका यज्ञशाला में दैनिक यज्ञ के साथ आज दुर्गा सप्तशती गायत्री मृत्युंजय, श्री विष्णु सहस्रनाम, नवग्रह अनादि मंत्र के माध्यम से समस्त विश्व कल्याण हेतु उपद्रव शांति हेतु आहुतियां प्रदान की गयी जो कि दैनिक हवन के साथ के राम नवमी तक जारी रहेगी। श्री सिंदुरिया हनुमान मंदिर में मंदिर के ही मुख्य पुजारी के नितृत्व मे श्री राम चरित्र मानस का नवहन पाठ प्रारंभ हुआ। जिसमें भी घट पूजन , गणेश पूजन, लक्ष्मी पूजन,भगवान शंकर पूजन, सूर्य पूजन, नवग्रह पूजन अनादि देव का पूजन मंदिर के पुजारी द्वारा किया गया . प्रात: साढे नौं बजे से मां अन्नपूर्णा में सर्वप्रथम पधारे हुए 108 ब्राह्मणों व संत समाज ने जलपान प्रसाद ग्रहण किया तत्पश्चात अपार भक्तो दुवारा जलपान किया गया. दोपहर 12:30 बजे मंदिर प्रांगण में विशेष भंडारे का आयोजन किया गया. सायकल पांच बजे मंदिर खुलने के पश्चात 108 ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तशती का पाठ प्रारंभ हुआ जो कि सात बजे तक चला तत्पश्चात मां जगदंबा की सामूहिक आरती 108ब्राह्मण व अपार भक्तों द्वारा की गई। आरती से पूर्व मंदिर के पुजारी चन्दर प्रकाश ममगई ने सर्वप्रथम दुर्गा चालीसा दुर्गा कवच का पाठ किया तत्पश्चात मां की आरती हुई आरती के पश्चात प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर समिति के ट्रस्टी रमेश साहनी, गगन सेठी, जय किशन कक्कर, केवल आनंद, कमल गुप्ता, संजीव शर्मा, सतीश कक्कर, भारत आहूजा, नरेश मैनी, अशोक लांभा,भारत शर्मा, उमेश मिनोचा, विजय अरोरा, सतीश मेहता, उमेश मरवाह, अमित अरोरा, अमित भाटिया, स्वर्ण कालरा, संजय चांदना, राम भाटिया, जीतू अरोरा, हर्ष गिरोटी, अभिषेक वादवा, मोहित बांगा, सिद्धार्थ आनंद, संजय आनंद व अपार भक्त समाज उपस्थित था। भवन श्री कालिका माता समिति के वर्तमान प्रचार मंत्री संजय आनंद ने बताया कि वह कल उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भी मंदिर में आने का निमंत्रण देकर मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु आमंत्रित किया।

तमंचे पर डिस्को करना पड़ा युवक को भारी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शादी समारोह में तमंचे के साथ डांस करना एक युवक को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार पथरी क्षेत्र में एक युवक का शादी समारोह के दौरान तमंचे के साथ डिस्को करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना पथरी पुलिस ने बहादरपुर जट्ट जाने वाली सड़क पर पानी की टंकी के पास से आरोपी को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं मे मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी का नाम रंजीत पुत्र जगपाल, निवासी ग्राम खड़ंजा, थाना कोतवाली लक्सर, जनपद हरिद्वार बताया जा रहा है।

राहुल गांधी पर कंगना रनौत की टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। कंगना रनौत के द्वारा राहुल गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर कांग्रेसजनों ने एसपी सिटी को ज्ञापन सौंपते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

आज यहां भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसपी सिटी को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कंगना रनौत ने राहुल गांधी के लिए "टपोरी" जैसे अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया, जो न केवल एक संवैधानिक पद की गरिमा के खिलाफ है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक मर्यादाओं को भी ठेस पहुंचाता है।

ज्ञापन में कहा गया कि इस प्रकार की बयानबाजी से समाज में गलत संदेश जाता है और राजनीतिक संवाद का स्तर गिरता है। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों पर रोक लग सके। इस दौरान पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश प्रवक्ता दीप वोहरा, पार्षद अर्जुन सोनकर, पार्षद वीरेंद्र कुमार बिष्ट, पार्षद निखिल कुमार, पूर्व पार्षद सुंदर सिंह पुंडीर और बिट्टू गुसाईं सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सच्चे मन और श्रद्धा से की गई उपासना से मां भगवती प्रसन्न होती है- श्रीमहंत डॉ रविंद्र पुरी

हरिद्वार(आरएनएस)। चैत्र नवरात्र पर्व अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं श्री मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री महंत डॉ. रविंद्र पुरी महाराज ने श्रद्धालुओं को नवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराते हुए नौ देवियों के स्वरूप का विस्तार से वर्णन किया। इस दौरान उन्होंने नवरात्र में किए जाने वाले पूजा-विधि और उसके फल के बारे में भी जानकारी दी। श्रीमहंत डॉ. रविंद्र पुरी महाराज ने बताया कि नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना का विशेष महत्व है। प्रथम दिन मां शैलपुत्री, द्वितीय दिन ब्रह्मचारिणी, तृतीय दिन चंद्रघंटा, चतुर्थ दिन कूष्मांडा, पंचम दिन स्कंदमाता, षष्ठम दिन कात्यायनी, सप्तम दिन कालरात्रि, अष्टम दिन महागौरी और नवम दिन सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। इन नौ दिनों में साधक श्रद्धा और भक्ति के साथ मां की आराधना करते हैं, जिससे उन्हें शक्ति, ज्ञान और समृद्धि की प्राप्ति होती है।उन्होंने कहा कि नवरात्रि केवल आस्था का पर्व नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि और साधना का भी समय है। इस दौरान संयम, सात्विक आहार और सकारात्मक विचारों को अपनाना चाहिए।

पुरोला में रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नगर पालिका क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत ने उपभोक्ताओं को मुश्किल में डाल दिया है। उपभोक्ताओं के लिए निर्धारित 25 दिन की समय सीमा पूरी होने के बाद भी दूसरा गैस सिलिंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है जिससे आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि तय अवधि पूरी होने के बावजूद न तो गैस सिलिंडर दिया जा रहा है और न ही नई बुकिंग स्वीकार की जा रही है। गैस एजेंसी के बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद लोग खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं जिससे नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय उपभोक्ता राजपाल पंवार, नवीन गैरोला, राजेंद्र गैरोला, कवींद्र असवाल, जयदेव चमियाल, भगवान सिंह चौहान और पवन नौटियाल ने बताया कि समय सीमा पूरी होने के बाद भी गैस न मिलने से घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। वहीं, व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति ठप होने से होटल और ढाबा संचालक भी संकट में हैं। कई व्यवसायी डीजल भट्टी के सहारे काम चलाने को मजबूर हैं। इस संबंध में खाद्य आपूर्ति विभाग के उप निरीक्षक रमेश खरोला ने बताया कि गैस एजेंसी के पोर्टल में पुरोला पालिका क्षेत्र को गलती से ग्रामीण क्षेत्र में दर्ज कर दिया गया है जिसके चलते 45 दिन की समय सीमा लागू हो रही है।

उत्तरकाशी में मनरेगा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद में मनरेगा कार्यों को गति देने के लिए मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह ने सभी खंड विकास अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मनरेगा कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और सभी अपूर्ण कार्यों को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में आ रही छोटी-छोटी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाए। साथ ही ई-केवाईसी, जॉब कार्ड और अन्य मनरेगा से जुड़े कार्यों की गहन जांच कर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने को कहा। बैठक में मोरी, नौगांव, पुरोला, चिन्यालीसौड़ और डुंडा ब्लॉकों में चल रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान खासतौर पर मोरी और नौगांव में कार्यों की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए। वर्चुअल बैठक में परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अजय सिंह, बीडीओ भटवाड़ी अमित ममगाईं, डुंडा से दिनेश चंद्र जोशी, पुरोला से सुरेश चौहान समेत विभिन्न ब्लॉकों के अधिकारी भी शामिल रहे। अधिकारियों का कहना है कि इन निर्देशों के बाद मनरेगा कार्यों में तेजी आएगी और अधूरे काम जल्द पूरे होंगे जिससे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा।

तनाव रहित स्वस्थ्य जीवन शैली योग, प्राणायाम का आधार- प्रतीक जैन

ऋषिकेश(आरएनएस)। जीएमवीएन के गंगा रिजॉर्ट में अंतराष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 के तीसरे दिन साधकों ने योग, ध्यान साधना के साथ प्राणायाम की क्रियाओं का अभ्यास किया। योगाचार्यों ने साधकों को विभिन्न योग क्रियाओं के महत्व की जानकारियां भी दीं। योग महोत्सव के तीसरे दिन प्रातःकाल के सत्र में योगगुरु डॉ. विपिन जोशी ने मेडिशियेशन, आर्ट ऑफ लिविंग को सरलता से बताया। उसके बाद के सत्र में योग गुरु उषा माता ने अयंगर योग के गुर योग साधकों को सिखाए। योगाचार्य कपिल सांघवी ने प्राणायाम की मानसिक अवसाद से मुक्ति और जीवन बेहत्तर बनाने की सरल विधि बताकर उसके बारे में जानकारी दी। डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद रयाल ने कहा कि आज प्रयोग में लाई जाने वाली चिकित्सा प्रणाली होम्योपैथी, एक्यूप्रेशर, प्राकृतिक चिकित्सा और दादी के नुक्से जीवन को फायदा पहुंचा रहे हैं। मौके पर आशीष रावत, योग चिकित्सक महेश भट्ट, डॉ. ममता शर्मा, विमला शर्मा, जीएमवीएन के महाप्रबंधक प्रशासन लक्ष्मी राज चौहान, महादेव उनियाल, मनोज पुरोहित, अनूप नेगी, प्रभात रॉय, विवेक, रजत बिष्ट, नन्दा दत्त पुरोहित, अरविंद मैठाणी, लक्ष्मी जोशी, मुकेश प्रमाणिक, राजेन्द्र ढोंडियाल आदि उपस्थित रहे।

शहर में लोग कमर्शियल सिलेंडर के लिए भटक रहे

हरिद्वार(आरएनएस)। शहर में बड़ी संख्या में लोग कॉमर्शियल सिलेंडर के लिए भटक रहे हैं। अधिकतर गैस एजेंसियों पर बुधवार को कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं पहुंचे। इस कारण लोगों को कॉमर्शियल सिलेंडर की डिलीवरी भी नहीं की गई। उत्तरी हरिद्वार, मध्य हरिद्वार, कनखल, ज्वालापुर में लोग कॉमर्शियल सिलेंडर के लिए परेशान रहे।

सोमवार से सरकार ने कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई शुरू करने के निर्देश जारी किए थे। मंगलवार को पेट्रोलियम कंपनियों ने गैस एजेंसियों को कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराए। बुधवार को भी शहर की 14 गैस एजेंसियों ने अधिकतर को कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिले। इस कारण इन गैस एजेंसियों पर उपभोक्ता सिलेंडर के लिए चक्कर काटते रहे। शहर ने एचपीसीएल की केवल एक गैस एजेंसी बहादराबाद क्षेत्र में सिलेंडर सप्लाई करती है। गेंदा गैस एजेंसी पर बुधवार को 90 कॉमर्शियल सिलेंडर पहुंचे।

पूर्व में निर्धारित कोटे के अनुसार यहां 90 सिलेंडर की सप्लाई आधे घंटे में हो गई। अन्य उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ा। कनखल में बीपीसीएल की पुष्पक गैस एजेंसी शहर में सबसे ज्यादा गैस सिलेंडर सप्लाई करती है। यहां एजेंसी पर 3000 कॉमर्शियल सिलेंडर की बुकिंग लंबित है। यह एजेंसी उद्योगों को 350 टन एलपीजी गैस एक महीने में सप्लाई करती है। बुधवार को गैस एजेंसी पर एक भी कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं पहुंचा। इस कारण कंपनी के बड़ी संख्या में कॉमर्शियल उपभोक्ता सिलेंडर पहुंचे कि प्रतीक्षा सुबह से शाम तक करते रहे। वहीं उत्तरी हरिद्वार में आईओसीएल की दीपिका गैस एजेंसी पर भी कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई बुधवार को नहीं हो सकी। यहां भी कॉमर्शियल सिलेंडर के उपभोक्ता परेशान रहे।कॉमर्शियल सिलेंडर के 7742 कनेक्शनहरिद्वार(आरएनएस)। जिले में कॉमर्शियल सिलेंडर के 7422 कनेक्शन है। एजेंसियों पर कनेक्शन का एक सौ फीसदी बैकलॉग बना है। गैस एजेंसियों के अनुसार जिले में रोजाना करीब 2100 कॉमर्शियल सिलेंडर की मांग का अनुमान है। वहीं आंकड़ों के अनुसार पेट्रोलियम कंपनियों ने हरिद्वार का 13 फीसदी कोटा निर्धारित किया है। जानकारी के अनुसार राज्य में पेट्रोलियम कंपनियां रोजाना 2560 कॉमर्शियल सिलेंडर का वितरण करेंगी। इसमें से हरिद्वार को करीब 333 सिलेंडर की सप्लाई रोजाना होगी। जो जिले के हिसाब से बड़ी कम संख्या है।

इक्कड़ रेलवे फाटक मरम्मत के लिए 23 मार्च को बंद होगा

हरिद्वार(आरएनएस)। रेलवे स्टेशन इक्कड़ के पास स्थित रेलवे फाटक को मरम्मत काम के चलते 23 मार्च को बंद किया जाएगा। दिन में 13 घंटे के लिए फाटक बंद रहेगा। इस दौरान रेलवे कर्मचारी फाटक की ओवरहॉलिंग करेंगे। रेलवे फाटक पर मरम्मत काम के कारण बड़ी संख्या ने ग्रामीण आबादी को आवागमन करने के लिए अतिरिक्त चक्कर काटना पड़ेगा। रेलवे हरिद्वार के वरिष्ठ खंड अधिकारी भूटान सिंह चौहान ने बताया की इक्कड़ रेलवे स्टेशन के पास स्थापित रेलवे फाटक संख्या 13-सी पर ओवरहॉलिंग आदि मरम्मत काम 21 मार्च को होना था लेकिन 21 मार्च की ईद है। इस वजह से आसपास के ग्राम प्रधानों ने मरम्मत काम आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। ईद पर्व को ध्यान में रखते हुए। अब फाटक पर मरम्मत काम 23 मार्च को किया जाएगा। इस दौरान फाटक से आवागमन करने वाले लोग वैकल्पिक मार्ग रेलवे फाटक संख्या 10-सी पथरी रेलवे स्टेशन के पास और इक्कड़ पथरी रेलवे स्टेशन के बीच स्थित अंडरपास संख्या 12 और सीतापुर जमालपुर गांव के बीच रेलवे फाटक संख्या 14 सी का प्रयोग कर सकते हैं।

सड़क का एलाइनमेंट तय मानकों के अनुसार नहीं करने का आरोप

उत्तरकाशी(आरएनएस)। मोरी प्रखंड के तहत निर्माणाधीन सौड़ तालुका, ओसला मोटर मार्ग पर सड़क कटिंग को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सड़क का एलाइनमेंट तय मानकों के अनुसार नहीं किया जा रहा जिससे भविष्य में वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मौके पर जाकर इसका विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क कटिंग ऐसे खड़ी और कठिन ढलान वाले हिस्सों से की जा रही है जहां वर्तमान में खच्चरों का चलना भी मुश्किल है। ऐसे में मार्ग पर बड़े वाहनों का संचालन सुरक्षित और सुचारू रूप से हो पाना संदिग्ध है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि निर्माण कार्य इसी तरह जारी रहा तो करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। ग्रामीणों ने कार्यदायी संस्था पीएमजीएसवाई से मांग की है कि निर्माण कार्य की सख्त निगरानी की जाए और ठेकेदार द्वारा मनमाने तरीके और खासकर रात के समय किए जा रहे कार्यों पर रोक लगाई जाए। विरोध जताने वालों में हरिचंद, ह्रदेश, उमराल सिंह, शलदार, रमेश लाल, मारकंडी, गजेंद्र और बृजमोहन लाल सहित कई लोग शामिल हैं। वहीं, पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता सुभाष दोरियाल ने बताया कि सड़क कटिंग का कार्य अभी प्रारंभिक चरण में है और मौके पर दो कनिष्ठ अभियंताओं की निगरानी में कार्य मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है।

पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने का अनुरोध

चम्पावत(आरएनएस)। चम्पावत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनकपुर में पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने का अनुरोध किया है। इस संबंध में सीएम धामी ने विदेश मंत्री को पत्र भेजा है। बीते दिन संवाद कार्यक्रम में लोगों ने सीएम धामी से पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने की मांग की थी। विदेश मंत्री को लिख पत्र में कहा गया है कि टनकपुर नेपाल सीमा से सटा क्षेत्र है। वर्तमान में चम्पावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर और रुद्रपुर के लोगो को पासपोर्ट संबंधी सेवा के लिए दून और हल्द्वानी की दौड़ लगानी पड़ती है। सीएम धामी ने विदेश मंत्री से टनकपुर में केंद्र खोलने का अनुरोध किया है।

डिजिटल भारत के दावों के बीच नेटवर्क विहीन लाहुर घाटी-दर्जनों गाँव आज भी संचार से कटे

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर जनपद की गरुड़ तहसील स्थित लाहुर घाटी आज भी बुनियादी दूरसंचार सुविधाओं के अभाव में संघर्ष कर रही है। जाख, हड़बाड़, पन्द्रपाली समेत दर्जनों गाँवों के ग्रामीण कमजोर नेटवर्क कनेक्टिविटी के कारण दैनिक जीवन में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। विडंबना यह है कि डिजिटल क्रांति के इस दौर में भी यह क्षेत्र प्रभावी संचार व्यवस्था से वंचित है। क्षेत्र में स्थापित बीएसएनएल का टॉवर केवल सीमित रूप से 4त्र सिग्नल ही उपलब्ध करा पा रहा है, जिससे सामान्य की-पैड फोन उपयोग करने वाले ग्रामीणों के लिए संपर्क साधना लगभग असंभव हो जाता है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण न तो समय पर आवश्यक सूचनाएं प्राप्त कर पाते हैं और न ही आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता के लिए संपर्क स्थापित कर पाते हैं। स्थिति आपदा के समय और भी विकट हो जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन, भारी वर्षा और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान संचार व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो जाती है, जिससे राहत एवं बचाव कार्यों में भी बाधा उत्पन्न होती है। कई बार ग्रामीणों को घंटों, बल्कि दिनों तक बाहरी दुनिया से संपर्क नहीं मिल पाता, जो उनकी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। ग्राम प्रधान क्लारौ राजू दानू ने इस समस्या पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता को केवल चुनावी समय में ही महत्व दिया जाता है, जबकि मूलभूत सुविधाओं की ओर कोई ठोस ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में सुदृढ़ नेटवर्क व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। वहीं स्थानीय निवासी नवीन जोशी ने बताया कि इस नेटवर्क संकट का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बुजुर्गों और महिलाओं पर पड़ता है। की-पैड फोन में नेटवर्क न आने के कारण वे आपात स्थिति में भी अपने परिजनों या स्वास्थ्य सेवाओं से संपर्क नहीं कर पाते, जिससे उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होते हैं। लाहुर घाटी के ग्रामीण वर्षों से बेहतर दूरसंचार सुविधा की मांग कर रहे हैं, किंतु अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर कब तक यह क्षेत्र विकास के दावों के बीच उपेक्षित बना रहेगा और कब तक यहां के लोग संचार जैसी बुनियादी सुविधा के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

ड्रेसिंग टेबल पर नहीं, फ्रिज में रखने पर ब्यूटी प्रोडक्ट कभी नहीं होंगे खराब

महिलाएं अच्छी तरह से जानती हैं कि ब्रांडेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स कितने ज्यादा कीमती होते हैं। आप भले ही मेकअप लगाएं या नहीं, मगर आपकी अल्मारी में एक-दो प्रोडक्ट्स जरूर होंगे जो यूं ही रखे-रखें बेकार हो चुके होंगे। कई सारी महिलाएं नहीं जानती कि ब्यूटी प्रोडक्ट्स को अगर लंबा चलाना है, तो उन्हें फ्रिज में रखा जाना चाहिए।

ज्यादातर महिलाएं अपने कॉस्मैटिक को या तो बाथरूम कैबिनेट में या मेकअप पाउच में रखती हैं। लेकिन इन दोनों ही जगहों पर आपके ब्यूटी प्रोडक्ट्स खराब हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि कौन से वो ब्यूटी प्रोडक्ट्स हैं, जिन्हें फ्रिज में रखकर लंबे समय तक यूज किया जा सकता है...

सनस्क्रीन

सर्दियों की शुरुआत होते ही हम अपनी सनस्क्रीन से दूरी बना लेते हैं। हम इन्हें अल्मारी के किसी कोने में यूं ही फेंक देते हैं। लेकिन अगर आपको इसे अलगी गर्मी तक यूज करना है, तो बेहतर होगा कि इसे फ्रिज में रख दें।

फेशियल मिस्ट और स्प्रे

कोल्ड फेशियल मिस्ट या स्प्रे लगाने से त्वचा फ्रेश फील करती है। इसे फ्रिज में रखे से यह लंबे समय तक आराम से चलता है।

लिपस्टिक

आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक चले इसके लिए इसे ठंडे स्थान पर रखें। बहुत ज्यादा गर्मी लिपस्टिक के लिए खतरनाक है, क्योंकि इससे उसमें मौजूद प्राकृतिक तेल खराब हो सकता है। यही नहीं ज्यादा गर्मी लिपस्टिक में मौजूद कैमिकल को भी खराब होने से बचाता है।

मस्कारा

क्या आप जानती हैं कि लिक्विड मस्कारा की एक छोटी शेल्फ लाइफ होती है। यदि मस्कारा को बहुत अधिक समय तक गर्म तापमान में रखा जाता है, तो उसमें बैक्टीरिया पैदा होने के चांस बढ़ जाते हैं। भले ही आप इसे फ्रिज में रखें या न रखें, हमेशा याद रखें कि इसे हर तीन महीने में बदल दिया जाना चाहिए।

आई क्रीम

फ्रिज में रखने से जब आपकी आई क्रीम ठंडी हो जाती है, तो यह पफनेस को कम करने में ज्यादा असरदार साबित होती है। इसके अलावा ऐसा करने से यह अधिक समय तक चलती भी है और अधिक प्रभावी भी होती है।

प्रेग्नेंसी में पालक खाना चाहिए या नहीं?

गर्भावस्था में हरी पत्तेदार सब्जियों को डायट में शामिल करने की सलाह दी जाती है जिसमें पालक भी शामिल है। पालक खाने से कैंसर से बचाव, ब्लड प्रेशर कम करने और आंखों की रोशनी बढ़ने जैसे लाभ मिलते हैं। पालक में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो प्रेगनेंट महिला के शिशु के स्वस्थ विकास में मदद कर सकते हैं।

तो चलिए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी में पालक खाने के क्या फायदे और कब इसे अपनी डायट में शामिल करना चाहिए?

प्रेगनेंट महिलाएं पालक खा सकती हैं। पालक में फोलिक एसिड होता है जो कि गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। फोलिक एसिड से शिशु को जन्म विकारों से बचाने में मदद मिल सकती है।

पालक में प्रेग्नेंसी में जरूरी सभी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। वहीं, पालक का अधिक मात्रा में सेवन नुकसानदायक होता है।

पालक के पोषक तत्व

100 ग्राम पालक में 2.3 ग्राम प्रोटीन, 4 ग्राम कार्ब, 0 ग्राम फैट, 3 ग्राम आयरन, 195 माइक्रोग्राम फोलिक एसिड और 99 मि.ग्रा कैल्शियम होता है। इसके अलावा पालक विटामिन ए, बी, विटामिन सी, फास्फोरस, सोडियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम से भी युक्त होता है। पालक गर्भावस्था के दौरान भ्रूण के विकास में काफी मदद करता है।

गर्भावस्था में पालक खाने के फायदे

पालक खाने से मिलने वाले लाभ इस प्रकार हैं :

*आयरन और फोलिक एसिड : प्रेग्नेंसी में शरीर में ब्लड वॉल्यूम 30 से 50 फीसदी तक बढ़ जाता है जिससे शरीर की आयरन और फोलिक एसिड की जरूरत भी बढ़ती है। नियमित पालक के सेवन से शरीर की आयरन की आवश्कता को पूरा किया जा सकता है।

*कैल्शियम : कैल्शियम लेने ब्लड प्रेशर कम रहता है और अगर प्रेग्नेंसी में शरीर में कैल्शियम कम हो जाए तो हाई बीपी की समस्या हो सकती है। पालक में मौजूद कैल्शियम बीपी को नियंत्रित रखता है।

*विटामिन ए और सी : पालक में प्रचुर मात्रा में विटामिन ए और सी होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद कर सकता है। इससे भ्रूण के विकास के लिए जरूरी विटामिन ए की पूर्ति होती है। शिशु के तंत्रिका विकास के लिए आवश्यक विटामिन बी भी पालक से मिल सकता है।

पालक में प्रचुरता में फोलिक एसिड होता है जो प्रेग्नेंसी में मिसकैरेज होने से रोकता है। ये भ्रूण के स्पाइनल और बौद्धिक विकास में भी मदद करता है। पालक में आयरन उच्च मात्रा में होता है जिससे नई लाल रक्त कोशिकाएं बनती हैं। इस तरह प्रेग्नेंसी में आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया से बचा जा सकता है।

कबूतरी संचार की पुरानी व्यवस्था

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।

आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है - कैरियर पिजन सर्विस'। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

कैरियर पिजन' या होमिंग पिजन' का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में पिजन नेटवर्क' स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से पिजन पोस्ट' शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में कैरियर पिजनों' ने जान भी बचाई, फ्रांस में चेर आमी' नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए पिजन सर्विस' चली आ रही थी।

लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के फ्लैश फ्लड्स' में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए।

सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक कैरियर पिजन' उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की पिजन सर्विस' की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।

1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर. वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के सुपर साइक्लोन' में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। बेल्जियन होमर' नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो लॉफ्ट' अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 बेल्जियन होमर पिजन' और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की।

आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है। गौरतलब है कि सीएजी ने इसकी लागत पर आपत्ति जताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने साफ कहा, विरासत को बचाओ।

यह सेवा हमें सिखाती है कि प्रगति का मतलब पुरानी चीजों को फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें संभाल कर रखना है। आज युवा पीढ़ी स्मार्टफोन पर जीती है, लेकिन

▶▶ शेष पृष्ठ 5 पर

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

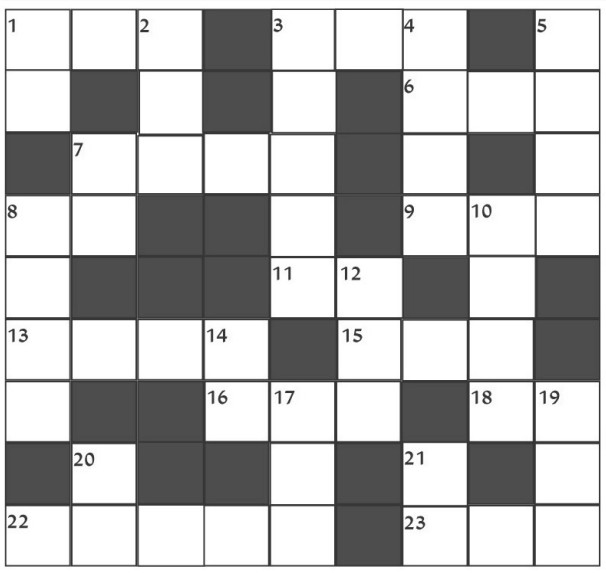

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 07 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

टॉक्सिक की बदली रिलीज डेट, अब 4 जून को आएगी फिल्म

साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का इंतजार पूरे देश को है. यश के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. यश पूरे चार साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर लौट रहे हैं. मेकर्स ने टॉक्सिक की रिलीज डेट बदल दी है. पहले यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होनी थी. इस दिन रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 से उसका सामना होना था, लेकिन अब टॉक्सिक और धुरंधर 2 का क्लैश खत्म हो चुका है.

मेकर्स ने फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट बदलने के साथ-साथ इसका कारण भी बताया है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट बदलने का कारण बताते हुए लिखा है, टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स एक ऐसी फिल्म है जिसे हमने वैश्विक दर्शकों के लिए सिनेमा बनाने की परिकल्पना के साथ बनाया था.

कन्नड़ और अंग्रेजी में फिल्माई गई यह फिल्म देश और दुनिया भर के दर्शकों से जुड़ने के दृढ़ विश्वास के साथ बनाई गई है. सालों की मेहनत के बाद, हम 19 मार्च को अपनी फिल्म आप सभी के साथ साझा करने के लिए उत्साहित थे. हालांकि, वर्तमान अनिश्चितता, विशेष रूप से मध्य पूर्व में, ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जो व्यापक दर्शकों तक पहुंचने और उनसे जुड़ने के हमारे लक्ष्य को प्रभावित करती है. मेकर्स ने आगे बताया है कि, इसलिए, अपने सहयोगियों और दर्शकों के हित में, हमने कठिन लेकिन सावधानीपूर्वक विचार करने के बादअपनी रिलीज डेट को बदलने का निर्णय लिया है. हम आपकी समझ और धैर्य के लिए धन्यवाद करते हैं और आपके निरंतर प्यार और समर्थन की आशा करते हैं.

टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स अब 4 जून 2026 को अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज होगी. सिनेमाघरों में मिलते हैं. टॉक्सिक के बारे में बता दें कि यश के फैंस को फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है और कहा जा रहा है कि यह 8 मार्च को रिलीज होगा. गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म को लेकर इंटरनेशनल मार्केट में बहुत शोर है.

जॉन अब्राहम की फोर्स 3 में हर्षवर्धन राणे की हुई एंट्री, सामने आया खास वीडियो

जॉन अब्राहम की फिल्म फोर्स और फोर्स 2 2011 और 2016 में रिलीज हुई थी। अब निर्माता इसकी तीसरी कड़ी लेकर आ रहे हैं जिसमें हर्षवर्धन राणे भी आधिकारिक तौर पर शामिल हो गए हैं।

इस खबर ने उनके फैंस को खुश होने का बड़ा मौका दे दिया है। दिलचस्प बात यह है कि फोर्स 3 में अपने होने की पुष्टि हर्षवर्धन ने सोशल मीडिया पर खुद की है। साथ ही, फिल्म के सेट एक वीडियो भी साझा किया है।

हर्षवर्धन ने गुजरात में फोर्स 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। इससे पहले, उन्होंने इंस्टाग्राम पर मुहूर्त पूजा का एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह शूटिंग शुरू करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, फोर्स 3 हमारे साथ रहें। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, भगवान आपको नई परियोजना के लिए मार्गदर्शन, शक्ति और ढेर सारा प्यार दें!!!

कबूतरी संचार की पुरानी व्यवस्था...

◀◀ पृष्ठ 4 का शेष

जब वे इन कबूतरों को उड़ते देखते हैं तो इतिहास जीवंत हो उठता है। ऐसे में यदि स्कूलों-कॉलेजों व अन्य कार्यकर्मों में इनका प्रदर्शन करवाया जाए, तो न सिर्फ नई पीढ़ी को बरसों पुरानी विरासत जानने का मौका मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ड्रोन और सैटेलाइट के युग में भी ये पंख वाले डाकिया हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति की शक्ति आज भी अजेय है। ओडिशा पुलिस की यह पहल दुनिया के लिए मिसाल है।

अमेरिका, यूरोप या एशिया की कोई अन्य पुलिस फोर्स आज ऐसा नहीं कर रही। यह सिर्फ ओडिशा का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत है। हमें इसे और मजबूत करना चाहिए। ज्यादा लॉफ्ट', ज्यादा प्रशिक्षण, ज्यादा जागरूकता किया जाए। क्योंकि संचार सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि विश्वास और विश्वसनीयता का मामला है। जब आधुनिक दुनिया इंस्टेंट मैसेजिंग पर निर्भर है, तब ये उड़नहार संदेशवाहक हमें सिखाते हैं - कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं होतीं, वे सिर्फ विरासत बन जाती हैं। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस' इसी विरासत का जीवंत प्रतीक है। इसे बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन पंखों की उड़ान में इतिहास को महसूस कर सकें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

भागम भाग 2 में मीनाक्षी चौधरी की एंट्री पक्की, बोलीं- अक्षय कुमार की चेली बनकर रहूंगी

साउथ फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी अब बॉलीवुड में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि वो अक्षय कुमार की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म के सीक्वल भागम भाग 2 के जरिए हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत करेंगी। मीनाक्षी ने इसे अपने करियर का एक बड़ा मोड़ बताते हुए कहा कि अक्षय जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने का अवसर उन्हें बिल्कुल सही समय पर मिला है।

उन्होंने बातचीत में कहा, मुझे ऐसा लगता है कि ये मौका तब आया, जब मैं बिल्कुल इसी तरह की किसी चीज की तलाश में थी। मैं ऐसी कहानियां ढूंढ रही थी, जिसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सके। मैंने बचपन में इस फिल्म का पहला भाग देखा था और मुझे वो बहुत पसंद आया था, इसलिए इस फिल्म का हिस्सा बनना ऐसा लगता है जैसे ये बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई है।

मीनाक्षी ने आगे कहा, इससे पहले कई प्रोजेक्ट्स मेरे पास आए थे, उनकी कहानियों में मेरी उतनी दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन जब भागम भाग 2 मेरे पास आई तो इसमें सिर्फ और सिर्फ हंसी और मनोरंजन का एहसास हुआ। मुझे लगता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप किसी भी भाषा के हों, इस फिल्म की कहानी और इसके किरदार आपसे जरूर जुड़ेंगे। आप चाहे किसी भी भाषा में इसे देखें, आप इसका भरपूर आनंद लेंगे।

अक्षय की कॉमिक टाइमिंग के साथ तालमेल बैठाने के सवाल पर मीनाक्षी बोलीं, मैं सेट पर सबसे बड़ी छात्रा बनकर रहूंगी, जैसे गुरु के पास चेले होते हैं। वो जो कहेंगे, मैं वही सीखने और पालन करने की कोशिश करूंगी। मैं इस सेट पर वही बनने जा रही हूं और उनसे जितना हो सके, उतना सीखने की कोशिश करूंगी। आपको हर दिन किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका नहीं मिलता, जो अपने काम में इतना अद्भुत हो।

इस सीक्वल की कमान ड्रीम गर्ल के निर्देशक राज शांडिल्य के हाथों में है, जिन्होंने फिल्म की कहानी भी लिखी है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक रिलीज तारीख का खुलासा नहीं किया है। फिल्म में अक्षय के साथ कॉमेडी के बादशाह परेश रावल, मनोज बाजपेयी और अभिनेत्री आयशा खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। ये 2006 की सुपरहिट फिल्म भागम भाग का आधिकारिक सीक्वल है, जिसका प्रशंसक सालों से इंतजार कर रहे थे।

सम्पूर्णेश बाबू का खौफनाक अवतार, बिरयानी' का पोस्टर हुआ आउट, 26 मार्च को फिल्म होगी रिलीज़

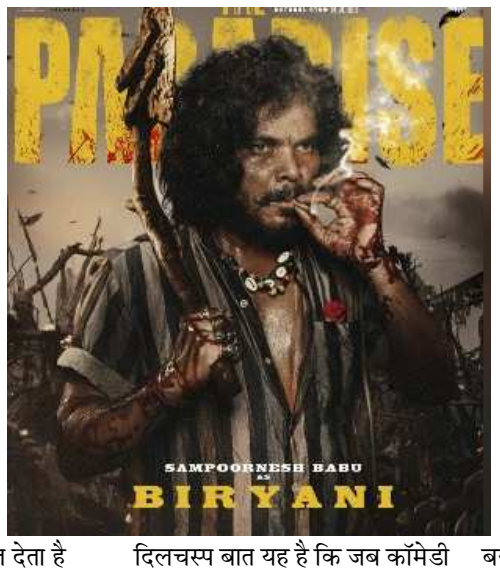

दसारा की ज़बरदस्त कामयाबी के बाद निर्देशक श्रीकांत ओडेला और नेचुरल स्टार नानी एक बार फिर साथ आ रहे हैं फिल्म द पैराडाइज़ के साथ, जो इस वक्त देश की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जा रही फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। इसी बीच मेकर्स ने एक नया कैरेक्टर पोस्टर जारी किया है, जिसमें सम्पूर्णेश बाबू बिरयानी' के रोल में दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में उनका लुक इतना डरावना और प्रभावशाली है कि यह साफ संकेत देता है कि यह किरदार फिल्म में सबसे खतरनाक और यादगार भूमिकाओं में से एक होने वाला है।

सोशल मीडिया पर द पैराडाइज़ के मेकर्स ने सम्पूर्णेश बाबू के किरदार बिरयानी' का कैरेक्टर पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में उनका लुक वाकई डराने वाला है और नाम भी उतना ही चौंकाने वाला। आमतौर पर कॉमेडी रोल्स के लिए पहचाने जाने वाले सम्पूर्णेश बाबू का यह बिल्कुल नया और गंभीर अवतार देखकर सभी हैरान रह गए हैं। फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, अंग्रेज़ी और स्पेनिश में रिलीज़ होगी।

दिलचस्प बात यह है कि जब कॉमेडी करने वाले कलाकार गंभीर रोल निभाते हैं, तो कई बार वे कमाल कर दिखाते हैं। पुष्पा में सुनील का खतरनाक मंगालम सीनू हो या धुरंधर में राकेश बेदी का दमदार किरदार, ऐसे कई उदाहरण हैं। अब द पैराडाइस से साम्पूर्णेश बाबू का बिरयानी' वाला यह जबरदस्त पोस्टर देखकर लगता है कि एक और यादगार और दमदार किरदार दर्शकों के सामने आने वाला है।

इसके साथ ही द पैराडाइस को श्रीकांत ओडेला की एक और दमदार और बड़े पैमाने की फिल्म माना जा रहा है, जिसमें उनकी अलग पहचान वाली सोच साफ नजर आती है। उनकी फिल्मों में छोटी-छोटी बातों पर दिया गया ध्यान ही उन्हें खास बनाता है और हर प्रोजेक्ट को सुर्खियों में ले आता है। दसरा से निर्देशन की शुरुआत करने वाले ओडेला ने अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों और आलोचकों का दिल जीत लिया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ?100 करोड़ का आंकड़ा पार किया और नानी के करियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। कम समय में ही श्रीकांत ओडेला इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बना चुके हैं, और द पैराडाइस के साथ उनसे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बन रही द पैराडाइस 26 मार्च 2026 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेज़ी, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम कुल आठ भाषाओं में दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म की ग्लोबल सोच को दिखाते हुए, खबर है कि मेकर्स ने हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से अंतरराष्ट्रीय मार्केट में द पैराडाइस को प्रेज़ेंट करने के लिए बातचीत की है। दमदार निर्देशक, मजबूत स्टारकास्ट और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्लानिंग के साथ द पैराडाइस सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सांस्कृतिक अनुभव की ओर बढ़ता कदम नजर आ रहा है।

फार्मासिस्ट भर्ती परीक्षा के दौरान रहेगी धारा 163 लागू

अल्मोड़ा(आरएनएस)। परगना मजिस्ट्रेट संजय कुमार ने बताया कि उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड, देहरादून द्वारा फार्मासिस्ट के 62 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 22 मार्च को प्रात: 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के शांतिपूर्ण और सुचारु संचालन को देखते हुए परीक्षा केंद्र के आसपास निषेधाज्ञा लागू की गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान स्थित परीक्षा केंद्र के 100 गज की परिधि में प्रतिबंध लागू रहेगा। इस अवधि में कोई भी व्यक्ति परीक्षा केंद्र के 100 गज के भीतर अस्त्र-शस्त्र, आग्नेयास्त्र, धारदार हथियार, लाठी-डंडा लेकर नहीं जा सकेगा। यह आदेश सुरक्षा बलों और ड्यूटी में तैनात कार्मिकों पर लागू नहीं होगा। साथ ही परीक्षा केंद्र के आसपास किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा, जबकि परीक्षार्थियों और अधिकृत कर्मियों को छूट दी गई है। परीक्षा केंद्र के आसपास ईंट, पत्थर या अन्य फेंकने योग्य वस्तुओं को एकत्रित करने पर रोक रहेगी। इसके अलावा पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के समूह में एकत्रित होने, बिना अनुमति ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग तथा किसी प्रकार के भाषण देने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने बताया कि यह आदेश 22 मार्च को निर्धारित समयावधि के दौरान प्रभावी रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बजट को लेकर डीएम से मिले सेरी के ग्रामीण

बागेश्वर(आरएनएस)। आपदा प्रभावित सेरी गांव के नौ मकान आज भी पूरे नहीं हो पाए हैं। बजट के अभाव में मकान नहीं बन पाए हैं। बजट की मांग को लेकर ग्रामीण जिलाधिकारी से मिले। उन्हें मकान के लिए धनराशि जारी करने की मांग की है, ताकि आपदा प्रभावित लोग मानसून काल से पहले अपने मकानों में सुरक्षित पहुंच सके। सेरी के ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे को ज्ञापन सौंपा। इसमें ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में 2015 में भीषण आपदा आई थी। आपदा में गांव का एक भू-भाग धंस गया था। इस कारण अनेक परिवारों के मकान धंए गए थे। उनमें से 26 परिवारों के नाम मकान व जगह आवंटित हुए। 17 मकान पूरी तरह बनकर तैयार हो गए हैं। जिनका अंतिम भुगतान रुका है। नौ मकान जो राजस्व विभाग के बताए गए हैं। उनका निर्माण कार्य अधे से अधिक हो गया है। कुछ मकानों पर छत डलनी है, जिन्हें आज तक एक भी रुपया नहीं मिला है। मानसून काल नजदीक है। नौ परिवार खतरे में जीर्ण-शीर्ण मकानों में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने पंचायत के उन परिवारों को अन्यत्रय विस्थापनि करने के लिए स्थान उपलब्ध नहीं है। पूर्व में प्रस्तावित भूमि की जांच सितंबर 2024 में हो गई थी। इसके बाद भी नौ परिवारों को निर्माण कार्य शुरू करने के लिए कहा, लेकिन धनराशि अभी नहीं मिली है। मांग करने वालों में नीमा देवी, भागुनी देवी, सुनीता देवी, रेनगू देवी, मंगली सेवी, वंदना देवी, माधवी देवी, प्रताप राम, खीम राम, हरा राम, गोपाल राम व कांग्रे जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट आदि मौजूद रहे।

सू- दोकू

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

बागेश्वर उद्योग मित्र बैठक में विकास का खाका–स्थानीय उत्पादों को मिलेगा मंच, गुणवत्ता पर सख्ती के संकेत

बागेश्वर(आरएनएस)। जनपद में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में आयोजित उद्योग मित्र बैठक न केवल संवाद का मंच बनी, बल्कि भविष्य की ठोस रणनीतियों का संकेत भी दे गई। बैठक में जिले के उद्यमियों, शिल्पकारों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करते हुए स्थानीय उत्पादन, विपणन और गुणवत्ता सुधार को केंद्र में रखा गया।

जिलाधिकारी ने हस्तशिल्प, मसाले, ऊनी उत्पाद जैसे स्थानीय उत्पादों का अवलोकन करते हुए स्पष्ट किया कि इन उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने, निजी औद्योगिक पार्कों की स्थापना तथा फूड प्रोसेसिंग इकाइयों के लिए भूमि उपलब्धता जैसे अहम मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की।

बैठक की सबसे महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों में प्रशिक्षित पर्यटक गाइडों का एक सुदृढ़ डेटाबेस तैयार करना शामिल रहा। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं की सूची तत्काल उपलब्ध कराई जाए तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित विभागों से व्यय की वसूली सुनिश्चित की जाएगी। यह निर्णय प्रशासन की जवाबदेही और गुणवत्ता के प्रति सख्त रुख को दर्शाता है।

महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र कविता भगत ने अवगत कराया कि पूर्व उद्योग मित्र बैठकों में प्राप्त अधिकांश समस्याओं का समाधान किया जा चुका है तथा शेष मामलों पर निरंतर कार्यवाही जारी है। उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली के माध्यम से उद्यमियों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयास निरंतर प्रगति पर हैं।

जिलाधिकारी ने यह भी आश्वस्त किया कि जिले के उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों को सरकारी खरीद प्रक्रियाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही सभी उद्यमियों एवं उनके उत्पादों की एक विस्तृत कैटलॉग पुस्तिका तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिससे स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके।

बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 के लिए हथकरघा, हस्तशिल्प एवं लघु उद्योग श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कारीगरों के चयन की प्रक्रिया भी संपन्न हुई। हथकरघा श्रेणी में मीरा पांचपाल ने प्रथम एवं श्रीमती कलावती देवी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हस्तशिल्प श्रेणी में बसंतलाल प्रथम तथा प्रेमा परिहार द्वितीय स्थान पर रहीं। वहीं लघु उद्योग श्रेणी में सूरज प्रकाश सिंह ने प्रथम और हरि कर्म्याल ने द्वितीय स्थान हासिल कर जिले का मान बढ़ाया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, उद्योग विभाग के अधिकारी, होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि शिरीष कपूर सहित अनेक उद्यमी एवं शिल्पकार उपस्थित रहे। यह बैठक न केवल समस्याओं के समाधान का मंच बनी, बल्कि जिले के औद्योगिक भविष्य की मजबूत आधारशिला भी रख गई।

बौद्धिक सम्पदा का अधिकार विषय पर कार्यक्रम हुआ

पिथौरागढ़(आरएनएस)। बेरीनाग में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा का अधिकार विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्राचार्य प्रो. बीएम पाण्डेय के निर्देश पर रसायन विज्ञान विभाग ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. सीडी सूंठा ने किया।

इस दौरान प्रो. सूंठा ने प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा के अधिकार के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन की जानकारी के साथ-साथ इंडस्ट्रियल राइट्स के बारे में भी बताया। डॉ. हेमंत कुमार जोशी ने बौद्धिक सम्पदा के अधिकार में पेटेंट, इंडस्ट्रियल डिजाइन, प्लांट वैरायटी, इन्वेंशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यहां डीएसबी कैंपस नैनीताल के प्रो. रितेश शाह, डॉ. महेश विश्वकर्मा, डॉ. प्रमेश टम्टा, डॉ. विशाल टम्टा, डॉ. जेएन पंत, डॉ. लीलाधर मिश्र, डॉ. रश्मि सेलवाल मौजूद रहे।

यातायात उल्लंघन पर 154 पर कार्रवाई

पिथौरागढ़(आरएनएस)। पिथौरागढ़ में जनपद में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया। पुलिस ने मिली जानकारी के अनुसार सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस को 154 लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए मिले। पुलिस ने संबंधितों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है।

समिति से किसानों को यूरिया खाद का वितरण शुरू

रुड़की(आरएनएस)। वसंत कालीन गन्ने की बुआई को लेकर इस समय किसानों को खाद की जरूरत पड़ रही है। किसानों की जरूरत के अनुरूप लक्सर गन्ना विकास समिति और उसके गोदाम पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया व डाई खाद पहुंच गई है। जिसका किसानों को वितरण शुरू कर दिया गया है। लक्सर गन्ना विकास समिति से लगभग 50 हजार से अधिक किसान जुड़े हुए हैं। जिनके द्वारा गन्ना विकास समिति से यूरिया खाद के अलावा कीटनाशक दवाइयां भी खरीदी की जाती है। समिति की ओर से किसानों को उधार में खाद उपलब्ध कराई जाती है। जिसका भुगतान समिति द्वारा किसानों के गन्ना भुगतान से काटा जाता है। गन्ना विकास समिति के विशेष सचिव सूरजभान सिंह ने बताया कि गन्ना विकास समिति में पिछले कई दिन से यूरिया खाद की किल्लत बनी हुई थी, लेकिन सोमवार से समिति की जरूरत के अनुरूप लगभग 20 हज़ार यूरिया के बोरे समिति पर पहुंच गए थे। इसके अलावा डाई खाद के भी पर्याप्त बोरे गन्ना विकास समिति में मौजूद है। बुधवार से किसानों ने अपनी फसलों की बुआई के लिए खाद उठाने का कार्य शुरू कर दिया है। किसान दीपक चौधरी व शेखर चौधरी आदि ने बताया कि उन्होंने भी समिति से अपनी गन्ने की बुआई के लिए यूरिया खाद उठाया है, अब गन्ने की बुआई की जाएगी। उधर, लक्सर गन्ना विकास समिति का विशेष सचिव सूरजभान सिंह ने बताया कि समिति पर पर्याप्त खत्म मौजूद है। जिसका वितरण किसानों को किया जा रहा है।

भाजपा की विशेष गहन पुनरीक्षण जिला कार्यशाला आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के पातालदेवी स्थित कार्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण की जिला कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मंचासीन पदाधिकारियों में जिला प्रभारी राजेंद्र बिष्ट, जिला अध्यक्ष महेश नयाल, विशेष गहन पुनरीक्षण के जिला संयोजक दर्शन रावत तथा पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश बहुगुणा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री प्रकाश भट्ट ने किया।

कार्यशाला में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राजेंद्र बिष्ट ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण संगठन की मजबूती और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क कर मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

जिला अध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि यह प्रक्रिया देशहित में आवश्यक है और इससे संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत होता है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से पूर्ण निष्ठा और अनुशासन के साथ अभियान को सफल बनाने की अपील की। जिला संयोजक दर्शन रावत ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। कार्यशाला में त्रिलोक रावत, नीमा आर्या, पूनम पालीवाल, किरन पंत, लता बोहरा, गोविंद पिलखवाल, रवि रौतेला सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा संदीप श्रीवास्तव, धर्मेंद्र बिष्ट, मनोज जोशी, संजय डालाकोटी, मनीष जोशी, विनीत बिष्ट, गोविंद मटेला, कैलाश गुरुरानी, हरीश कनवाल, राजा अली, राजा खान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में सभी मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, जिला पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी और नगर निकाय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में विधानसभा स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित कर इस अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाया जाएगा।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) एवं प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने आज देहरादून स्थित माँ डाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

कैबिनेट विस्तार पर 'क्या बरसा जब कृषि सुखाने': धस्माना

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कैबिनेट विस्तार पर प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कहावत चित्रार्थ हो रही है कि 'क्या बरसा जब कृषि सुखाने'।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश में हुए धामी मंत्रिमंडल के विस्तार पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि विधानसभा चुनावों में अब एक साल से कम का समय रह गया है और पिछले चार वर्षों में प्रदेश का धामी मंत्रिमंडल कभी पूरा आकार नहीं ले पाया। उन्होंने कहा कि कभी दो कभी तीन और पिछले डेढ़ साल से तो पांच पांचों मंत्री पद खाली पड़े थे जिनको अब अंतिम वर्ष में भरा गया किंतु अब तो वह कहावत चित्रार्थ हो रही है कि 'क्या बरसा जब कृषि सुखाने'। धस्माना ने कहा कि वित्त, नगरीय विकास, ग्रामीण विकास, कृषि व बागवानी, वन,प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सहकारिता, आपदा प्रबंधन, आबकारी व लोक निर्माण विभाग, पर्यटन तीर्थाटन, सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण विभागों को वरिष्ठ तथा अनुभवी मंत्रियों को दिया जाता था किंतु धामी सरकार में या तो बड़े विभाग मुख्यमंत्री के पास रहे या फिर एक एक मंत्री के पास तीन चार महत्वपूर्ण विभाग दे दिए गए जिससे राज्य में शिक्षा स्वास्थ्य एवं सहकारिता जैसे विभागों में भयंकर भ्रष्टाचार हुआ और पूरे प्रदेश में विकास का पहिया पटरी से उतर गया। श्री धस्माना ने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से नए मंत्रियों को मंत्रिमंडल में स्थान मिलने पर बधाई व शुभकामनाएं देते हैं किन्तु अब अंतिम समय में वे राज्य हित में कोई योगदान दे पाएंगे इसकी गुंजाइश ना के बराबर है।

चाकू सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली भगवानपुर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस पुहाना क्षेत्र में पहुंची तो उसे वहां एक सदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम सेवाराम पुत्र चेतराम हाल निवासी आरोग्यम अस्पताल करौन्दी कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार स्थाई निवासी चांगीपुर थाना नूरपुर जिला बिजनौर उ.प्र. बताया। पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

प्रदेश को सरकार का 'चुनावी झुनझुना'... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

निगमों, बोर्ड व आयोगों में पार्टी पदाधिकारियों को दायित्वधारी बनाया है। अभी दायित्वधारियों के कई पद खाली हैं। सूत्रों के अनुसार अब जल्द ही दो दर्जन और पदों पर दायित्वधारी बनाए जाएंगे।

विधानसभा चुनाव अगले वर्ष: अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रदेश में राजनीतिक स्थायित्व के संदेश के इस क्रम में पार्टी अपने विधायकों एवं कार्यकर्ताओं का भी मनोबल बढ़ाने की तैयारी कर रही है। मंत्रिमंडल के विस्तार और दायित्व वितरण के माध्यम से पार्टी का मनोबल बढ़ाने के साथ ही संदेश भी दिया जाना है।

चारधाम यात्रा मार्गों पर समानांतर प्रणाली से भी हो सफाई व्यवस्थाः प्रमुख सचिव वित्त

संवाददाता

देहरादून। प्रमुख सचिव वित्त रमेश कुमार सुधांशु ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गो पर सामनांतर प्रणाली से सफाई व्यवस्था हो।

आज यहां प्रमुख सचिव, वित्त रमेश कुमार सुधांशु की अध्यक्षता में सचिवालय में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय वायु गुणवत्ता निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। प्रमुख सचिव ने देहरादून, ऋषिकेश एवं काशीपुर शहरों में वायु प्रदूषण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रैंक में सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास करने तथा स्वच्छता मानकों के अनुरूप समुचित कार्यवाही करने पर जोर दिया।

उन्होंने एमडीडीए के साथ समन्वय स्थापित कर निर्माण स्थलों पर सामग्री को कवर करने एवं नियमित जल छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे धूलजनित प्रदूषण को कम किया जा सके। प्रमुख सचिव ने चारधाम यात्रा मार्गों एवं अस्थायी आश्रय स्थलों पर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए एनजीओ की सहभागिता के साथ पैच चिन्हित कर समानांतर प्रणाली से सफाई कार्य संचालित करने तथा समय-समय पर निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये।

उन्होंने कूड़ा एकत्रीकरण हेतु वाहनों में डस्टबिन की व्यवस्था, जन-जागरूकता के लिए 'क्या करें, क्या न करें' संबंधी पेम्पलेट चस्पा करने एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2026 के अनुरूप कूड़े का पृथक्करण (सेग्रीगेशन) सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डॉ. पराग मधुकर धकाते ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रैंक एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देहरादून में वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2024-25 में पीएम 10 स्तर में 44.27 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया है। इसी प्रकार ऋषिकेश में 38.2 प्रतिशत एवं काशीपुर में 26.92 प्रतिशत सुधार हुआ है। बैठक में काशीपुर में निर्माण एवं विध्वंस (सी एंड डी) प्रोसेसिंग प्लांट हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर सचिव, वन सी. रविशंकर, अपर सचिव सुश्री कल्याणी, नगर आयुक्त देहरादून श्रीमती नमामि बंसल, अपर सचिव संतोष बडोनी, अपर जिला मजिस्ट्रेट देहरादून कृष्ण कुमार मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

घर से बच्चे को उठा ले गया गुलदार, गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

पौड़ी। कोटद्वार के पोखड़ा रेंज इलाके में एक बार फिर गुलदार का आतंक सामने आया है। यह एक 11 वर्षीय बच्चे को गुलदार घर से ही उठा ले गया। हालांकि परिजनों के हो हल्ला मचाने पर गुलदार मौके से भाग निकला। गुलदार के हमले से बच्चा गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे हायर सेंटर रैफर कर दिया गया है। मामला ग्राम धस्माणी का है। जानकारी के अनुसार यहां 11 वर्षीय दीपक सिंह पुत्र सतेंद्र सिंह को गुलदार ने उनके घर से ही उठा लिया। यह घटना इतनी तेजी से हुई कि परिवार वाले पहले तो समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है। गुलदार बच्चे को मुंह में दबाकर करीब 20-25 मीटर दूर जंगल की ओर ले गया। लेकिन परिजनों ने तुरंत शोर मचाया और एकजुट होकर दौड़े। डर के मारे गुलदार बच्चे को जमीन पर छोड़कर भाग गया। गुलदार के हमले से दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसें तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव खाल ले जाया गया, जहां से उनकी हालत देखते हुए जिला चिकित्सालय पौड़ी रेफर किया गया। वहां से भी डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर भेज दिया है। बच्चे की हालत स्थिर बताई जा रही है, लेकिन चोटें गंभीर हैं।

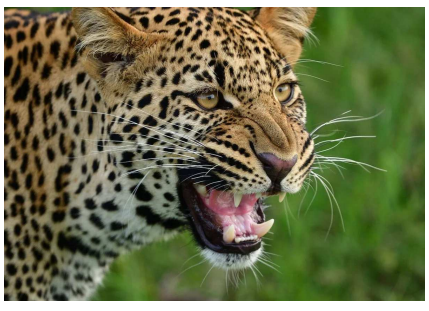

टीम सेवादार ने मनाया गौरैया दिवस

संवाददाता

देहरादून। टीम सेवादार ने विश्व गौरैया दिवस मनाया। आज बढ़ चढ़कर समाज में जन चेतना के लिए विश्व गौरैया दिवस मनाया गया। कहते हैं किसी भी सुखद परिवर्तन के लिए स्वयं से ही सच्चे और सतत प्रयास करने होते हैं। टीम सेवादार वर्ष 2020 से गौरैया को बुलाने एवं पुन: घरों में स्थापित करने के लिए निरंतर जमीनी प्रयास कर रही है और अब प्रयास दिखने भी लगे हैं। टीम लगभग 5000 घोसला देहरादून, हल्द्वानी, पिथौरागढ, हरिद्वार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, मुंबई, बेंगलुरु इत्यादि स्थानों पर भी सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरण करके ऑनलाइन घोसला भेज चुकी है।

गौरैया का इंसान से बहुत पुराना नाता रहा है क्योंकि यह पेड़ों पर घोसला नहीं बनती पहले कच्चे घरों में इसको आसानी से जगह मिल जाया करती थी परंतु अब आधुनिक मकान होने के कारण गौरैया के लिए कोई स्थान नहीं बचा रहता और धीरे-धीरे हरियाली का गायब होना भी गौरैया की घटती संख्या का मुख्य कारण है परंतु हमारी टीम निरंतर पवित्र मन के साथ यह कार्य करती जा रही है इसी क्रम में आज छोटे-छोटे बच्चों के साथ बिजनेस इंटरनेशनल ग्रुप के साथ भी गौरैया दिवस मनाया गया।

सभी को संकल्प दिलाया गया कि हम सभी अपने घरों घोसला लगाने के साथ-साथ दाना एवं पानी की व्यवस्था भी करेंगे छोटे बच्चों को गौरैया दिवस के अवसर पर चॉकलेट भी भेंट की गई छोटे बच्चे बड़े उत्साहित दिखे।

सीएम ने श्री वाराही धाम देवीधुरा मंदिर के नव निर्माण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित किया

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास से श्री वाराही धाम देवीधुरा, चम्पावत में आयोजित मंदिर के नव निर्माण कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री वाराही धाम के नव-निर्मित कार्यों का शुभारम्भ होना हम सभी के लिए सौभाग्य का क्षण है। उन्होंने कहा माँ वाराही का प्राचीन धाम सदियों से श्रद्धा, आस्था और शक्ति का केंद्र रहा है। वाराही धाम में आयोजित होने वाला बग्वाल मेला हमारी वीरता, परंपरा और सामूहिक आस्था का अद्भुत संगम है। राज्य सरकार ने इसे राजकीय मेला घोषित भी किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां वाराही मंदिर का नव-निर्माण मंदिर को और अधिक भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करेगा। यह धाम आस्था के साथ विकास और समृद्धि का भी प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा प्रदेश में स्थित चारधाम, शक्तिपीठ, सिद्धपीठ और अन्य मंदिर, हमारी सनातन परंपरा और सांस्कृतिक पहचान के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण एवं पुनरुत्थान का कार्य भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत को भव्य रूप प्रदान करने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह देवभूमि है, यहां देवताओं का वास है, राज्य सरकार देवभूमि की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत को दिव्य,भव्य और सुरक्षित बनाने का अपना काम इसी प्रकार जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का कार्य कर रही है। केदारखंड के साथ ही मानसखंड के पौराणिक मंदिरों के सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा चंपावत के बालेश्वर मंदिर, पाताल रुद्रेश्वर मंदिर और माँ रणकोची मंदिर, मां पूर्णागिरी मंदिर का भी पुनर्विकास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा चंपावत क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शारदा कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है।179 करोड़ रुपये की लागत से शारदा घाट के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास किया गया है। लगभग 430 करोड़ रुपये की लागत से गोल्ज्यू कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोहाघाट के छमनिया में लगभग ६ 10 करोड़ से अधिक की लागत से आधुनिक एथलेटिक सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण, लगभग 257 करोड़ रुपये की लागत से महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से भवन और छात्रावास का निर्माण कार्य चल रहा है। सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए रीठा साहिब क्षेत्र में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से सड़क नवीनीकरण और सुधार कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए हैं।

अब सर्किट हाउस एनेक्सी में दिखेगी राज्य की लोक संस्कृति

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राज्य की अतिथि सुविधाओं को आधुनिक और आकर्षक बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य अतिथि गृह सर्किट हाउस एनेक्सी देहरादून में नवीनीकरण कार्य को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की अध्यक्षता आवास व राज्य संपत्ति सचिव डा.आर राजेश कुमार ने की।

निरीक्षण के दौरान यह तय किया गया कि सर्किट हाउस एनेक्सी को केवल मरम्मत तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय के रूप में विकसित किया जाएगा। विशेष रूप से मीटिंग हाल के संपूर्ण नवीनीकरण के साथ उसकी दीवारों पर राज्य की लोक संस्कृति को दर्शाने वाली पेंटिंग्स लगाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे यहां आने वाले अतिथियों को प्रदेश की समृद्ध परंपरा की झलक मिल सके।

❑लोकसंस्कृति की झलक के साथ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा राज्य अतिथि गृह

❑आवास सचिव डा. आर राजेश कुमार के औचक निरीक्षण में तेज हुई कायाकल्प की प्रक्रिया

नवीनीकरण कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। प्रथम चरण में मुख्य भवन के कक्ष संख्या 1 से 12 तक (भूतल के 1 से 6 और प्रथम तल के 7 से 12) का कायाकल्प किया जाएगा। इसके साथ ही डोरमैट्री के भूतल पर स्थित कक्ष संख्या 19 से 22 तक के चार कमरों का भी नवीनीकरण किया जाएगा। इन कमरों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के साथ उनकी आंतरिक साज-सज्जा को भी बेहतर बनाया जाएगा।

द्वितीय चरण में गेस्ट हाउस परिसर में उपलब्ध स्थान का उपयोग करते हुए इसके विस्तार की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, गेस्ट हाउस में ठहरने वाले अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नए गद्दों की खरीद और प्रत्येक कक्ष में डीटीएच कनेक्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

नाबालिक का अपहरण व दुष्कर्म मामले में आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग का अपहरण व दुष्कर्म मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से नाबालिग को बरामद कर उसे परिजनों की सुपर्दगी में दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 मार्च को राजा का ताजपुर थाना नूरपुर जनपद बिजनौर हाल निवासी रावली महदूद निवासी एक व्यक्ति ने थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी नाबालिक पुत्री को कोई व्यक्ति बहला फुसला कर भगा ले गया है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुंकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान प्रकाश मे आये व्यक्ति अनिल पुत्र सोनू निवासी राजा का ताजपुर थाना नूरपुर जिला बिजनौर को बीती शाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से मामले की पीड़िता भी बरामद की गयी है।

बच्चे का हत्यारा कलयुगी पिता गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। डेढ़ साल के बच्चे के हत्यारे सौतेले पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पांच हजार के ईनाम घोषित था।

जानकारी के अनुसार पिछले दिनों मंगलौर निवासी एक महिला द्वारा कोतवाली मंगलौर में शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि उसके पति फैजान ने उसके डेढ़ वर्षीय बच्चे की हत्या कर दी गयी है। बताया कि फैजान बच्चे का सौतेला पिता है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। ताबड़तोड़ दबिश देने के बावजूद शातिर आरोपी के लगातार ठिकाने बदलने पर एसएसपी हरिद्वार द्वारा आरोपी पर 5 हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की गई। हालांकि पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आज सुबह आरोपी फैजान को मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

पूछताछ में सामने आया कि हत्यारोपी के महिला के साथ प्रेम संबंध थे। महिला के पति की मौत होने पर आरोपी ने महिला से शादी कर ली। शादी के कुछ वक्त बाद दोनों के बीच छोटी-मोटी बातों को लेकर लगातार झगड़े होने व पूर्व पति से जन्मे बच्चे के खाने पीने की व्यवस्था करने की वजह से आरोपी काफी परेशान था। 17 फरवरी को सौतेले बेटे के रोने व चुप कराने का प्रयास करने पर भी चुप न होने पर हत्यारोपी ने गुस्से में आकर पहले तो बच्चे पर चांटे मारे लेकिन बच्चे के और ज्यादा रोने पर आरोपी ने बच्चे की छाती पर लात मार दी और उसे जान से मार दिया। इसके बाद आरोपी ने बच्चे की लाश को बिस्तर पर लेटा दिया और वहां से फरार हो गया। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

'मूल निवास' और 'भू-कानून' की लड़ाई होगी तेज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की अस्मिता और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए संकल्पित मूल निवास भू-कानून संघर्ष समिति की एक निर्णायक बैठक देहरादून में संपन्न हुई। महानगर प्रभारी अनिल डोभाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आंदोलन को भविष्य में और अधिक संगठित, संस्थागत और धारदार बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

संघर्ष समिति ने स्पष्ट रूप से कहा कि संघर्ष समिति किसी राजनीतिक दल के साथ नहीं जुड़ेगी और मूल निवास, भू कानून आंदोलन को जारी रखेगी ।

बैठक में संघर्ष समिति ने ऐलान किया कि समिति का एकमात्र लक्ष्य मूल निवास (1950) और सशक्त भू-कानून की मांग को लेकर आंदोलन को जारी रखना है। जल्द ही प्रदेश भर के सक्रिय सदस्यों की एक महारैली या बड़ी बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सर्वसम्मति से नई प्रदेश स्तरीय कार्यकारिणी और पदाधिकारियों का चयन होगा। फिलहाल एक अंतरिम कार्यसमिति का गठन तय हुआ है, जो आगामी कार्यक्रमों और बैठकों की रूपरेखा तैयार करेगी।

❑संघर्ष समिति जल्द घोषित करेगी नई कार्यकारिणी

समिति ने चर्चा की कि आज प्रदेश में मूल निवास, भू-कानून और गैरसैंण जैसे स्थानीय मुद्दों पर जो जन-जागरूकता आई है, वह उनके पिछले आंदोलनों की बड़ी सफलता है। आने वाले महीनों में समिति गैरसैंण में एक विशाल कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें प्रदेश के हर कोने से लोगों को जुटाकर शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। समिति की मुख्य मांग है कि उत्तराखंड का अपना कड़ा भू-कानून लागू हो, ताकि कृषि और सामुदायिक भूमि की अनियंत्रित खरीद-फरोख्त रुक सके। आंदोलन को केवल शहरों तक सीमित न रखकर इसे गांव-गांव और घर-घर तक पहुँचाने के लिए युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। समिति के सदस्यों ने कहा कि आज प्रदेश का हर राजनीतिक दल और नेता इन मुद्दों पर बात करने को मजबूर है, यह हमारे संघर्ष की जीत है। अब हम अपनी देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान और संसाधनों को बचाने के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। बैठक में संकल्प लिया गया कि उत्तराखंड के सीमित संसाधनों पर मूल निवासियों का अधिकार सुनिश्चित होने तक यह संघर्ष थमेगा नहीं। बैठक में संघर्ष समिति के संस्थापक संयोजक मोहित डिमरी, बिपिन नेगी, सुमित थपलियाल, राकेश नेगी, अर्जुन सिंह राणा, कनिष्क जोशी, आर्यन चौहान, प्रमोद काला, विनीत सकलानी, कमल कांत, प्रांजल नौडियाल, सूरज नेगी, अनिल डोभाल आदि वक्ताओं ने अपने विचार रखे ।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।